सोमवार

वह शक्ति हमें दो दयानिधे, कर्तव्य मार्ग पर डट जायें।
पर सेवा पर उपकार में हम, जग जीवन सफल बना जायें।।
हम दीन दुखी निबलों विकलों के सेबक बन सन्ताप हरें।
जो हैं अटके भूले भटके उनको तारें खुद तर जावें।।
छल-दम्भ-द्वेष-पाखण्ड-झूठ, अन्याय से निशदिन दूर रहें।
जीवन हो शुद्ध सरल अपना, शुचि प्रेम सुधा रस बरसायें।।
निज आन मान मर्यादा का, प्रभु ध्यान रहे अभिमान रहे।
जिस देश जाति में जन्म लिया बलिदान उसी पर हो जायें।।
।। वह शक्ति हमें दो दयानिधे कर्तव्य मार्ग पर डट जायें।।

मंगलवार

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना
दया करना, हमारी आत्मा को शुद्धता देना।
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ
अंधेरे दिल मे आकर के, परम ज्योति जगा देना।
दया कर दान भक्ति का हमें परमात्मा देना
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर
हमें आपस में मिलजुल कर, प्रभु रहना सिखा देना।
दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना
हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा
सदा ईमान हो सेवा, वो सेवक चर बना देना।
वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जां फिदा करना प्रभु हमको सिखा देना।
दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा को शुद्धता देना।।

बुधवार

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चलें, और बदी से टलें ताकि हंसते हुए निकले दम।
ये अँधेरा घना छा रहा, तेरा इंसान घबरा रहा।
हो रहा बेखबर, कुछ न आता नज़र सुख का सूरज छुपा जा रहा
है तेरी रोशनी मे जो दम, लू अमावास को कर दे पूनम
नेकी पर चलें और बदी से टले, ताकि हंसते हुए निकले दम।।
बड़ा कमजोर है आदमी, अभी लाखों हैं इसमे कमी
पर तू जो खड़ा है, दयालू बड़ा तेरी कृपा से धरती थमी
दिया तूने हमें जब जनम, तू ही झेलेगा हम सबके ग़म
नेकी पर चले और बदी से टले ताकि हंसते हुए निकले दम।
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....
जब जुलमों का हो सामना, तब तू ही हमें थामना
वो बुरा करें हम भला करें न बदले की हो कामना।
बढ़ उठे प्यार का हर कदम और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चलें और बदी से टलें ताकि हसते हुए निकले दम
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....

गुरूवार

सुबह सवेरे लेकर नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु,
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाये हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु....
गुणों का सत्कार कभी न भूलें हम,
इतना बने महान गगन को छू लें हम,
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्हीं से शाम प्रभु,
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु

शनिवार

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मनका विश्वास कमजोर हो ना
हम चलें नेक रास्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना.....
दूर अज्ञान के हो अँधेरे, तू हमें ज्ञान की रोशनी दे,
हर बुराई से बचके रहें हम, जितनी भी दें, भली जिन्दगी दें
बैर हो ना किसी का किसी से, भावना मन में बदले की हो ना
हम चलें नेक रास्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना दाता, मनका विश्वास कमजोर हो ना.....
हम न सोचें हमें क्या मिला है, हम ये सोचें क्या किया है अर्पण
फूल खुशियों के बांटे सभी को, सबका जीवन ही बन जाए मधुबन
ओ.. अपनी करूणा का जल तू बहा के, करदे पावन हर एक मन का कोना
हम चलें नेक रास्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना दाता, मनका विश्वास कमजोर हो ना....

शुक्रवार

हर देश मे तू, हर वेष मे तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि यह विश्व भरा,
सब खेल में मेंल में तू ही तू है।।
सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है।।
चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव जगत का रूप लिया।
कहीं पर्वत वृक्ष-विशाल बना,
सौन्दर्य तेरा, तू एक ही है।।
यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरूदेव की पूर्ण दया।
गुरूदेव कहें कोई और न दिखा,
बस मै और तू सब एक ही है।।